भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
03.08.2022 के
तारांकित प्रश्न सं. 241 का उत्तर

मध्य प्रदेश में रेल परियोजनाएं

***241. श्री गजेन्द्र उमराव सिंह पटेल:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) मध्य प्रदेश में कार्यान्वित की जा रही रेल परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त क्षेत्र को लाभ प्रदान करने के लिए मालवा निमाड़ क्षेत्र में रेलवे की कार्यान्वित की गई/कार्यान्वित की जा रही प्रमुख परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में रेल यातायात को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) जनजातीय क्षेत्रों में रेल परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

मध्य प्रदेश में रेल परियोजनाओं के संबंध में दिनांक 03.08.2022 को लोक सभा में श्री गजेन्द्र उमराव सिंह पटेल के तारांकित प्रश्न सं. 241 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क): रेल परियोजनाएं राज्य-वार/जिला-वार नहीं बल्कि जोन-वार स्वीकृत की जाती हैं क्योंकि भारतीय रेल परियोजनाएं विभिन्न राज्यों की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं।

बहरहाल, इस समय मध्य प्रदेश में मालवा-निमार क्षेत्र में परियोजनाओं, इंदौर में रेल यातायात को बढ़ावा देने के लिए इंदौर को अन्य स्थानों से जोड़ने वाली परियोजनाओं और जनजातीय क्षेत्रों में परियोजनाओं सहित पूर्णतया/आंशिक रूप से पड़ने वाली 5872 कि.मी. लंबाई की लगभग 84,470 करोड़ रु. लागत की 33 रेल परियोजनाएं (8 नई लाइन, 2 आमान परिवर्तन और 23 दोहरीकरण परियोजनाएं) हैं जो योजना/अनुमोदन/निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं। इनमें से 1319 कि.मी. लंबाई को पूरा कर दिया गया है और मार्च 2022 तक 23,779 करोड़ रु. का व्यय किया गया है। इनमें शामिल हैं:

- **36,163 करोड़ रुपये की लागत से 1,979 किलोमीटर की लंबाई वाली 8 नई लाइन परियोजनाएं चल रही हैं जिनमें से 355 किमी लंबाई को पूरा कर दिया गया है और मार्च 2022 तक 6,606 करोड़ रुपये का व्यय किया गया है।**
- **10,764 करोड़ रुपये की लागत से 780 किलोमीटर की लंबाई वाली 2 आमान परिवर्तन परियोजनाएं चल रही हैं जिनमें से 279 किमी लंबाई को पू कर दिया गया है और मार्च 2022 तक 3,015 करोड़ रुपये का व्यय किया गया है।**
- **37,542 करोड़ रुपये की लागत से 3,113 किलोमीटर की लंबाई वाली 23 दोहरीकरण परियोजनाएं चल रही हैं जिनमें से 685 किमी लंबाई को पूरा कर दिया गया है और मार्च 2022 तक 14,159 करोड़ रुपये का व्यय किया गया है।**

मध्य प्रदेश राज्य में रेल परियोजनाएं भारतीय रेल की उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर पश्चिम रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे, पश्चिम रेलवे, मध्य रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे और दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत आती हैं। रेल परियोजनाओं का परियोजना-वार निधि आबंटन और व्यय सहित क्षेत्रीय रेलवे-वार विवरण भारतीय रेल की वेबसाइट अर्थात www.indianrailways.gov.in>Ministry of Railways>Railway Board>About Indian Railways>Railway Board Directorates>Finance(Budget)> Pink Book (year)>Railways-wise Works, Machinery & Rolling Stock Programme पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है।

वर्ष 2014 से, रेल बजट आवंटन में पर्याप्त वृद्धि की गई है और तदनुसार, परियोजनाएं चालू की जा रही हैं। 2014-19 के दौरान, मध्य प्रदेश में पूर्णतया/आंशिक रूप से पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए औसत वार्षिक बजट आबंटन, 2009-14 के दौरान, 632 करोड़ रुपए प्रति वर्ष से बढ़ाकर 2014-19 के दौरान 4213 करोड़ रुपए प्रति वर्ष किया गया है, जो 2009-14 के औसत वार्षिक बजट आबंटन की तुलना में 567% अधिक है। इन आबंटनों को वित्त वर्ष 2019-20 में बढ़ाकर 6906 करोड़ रु. (2009-14 के औसत वार्षिक बजट आबंटन की तुलना में 993% अधिक) और वित्त वर्ष 2020-21 में बढ़ाकर 6509 करोड़ रु. (2009-14 के औसत वार्षिक बजट आबंटन की तुलना में 930% अधिक) कर दिया गया है। वित्त वर्ष 2021-22 के लिए, इन परियोजनाओं हेतु 9041 करोड़ रु. का बजट परिव्यय मुहैया कराया गया है, जो 2009-14 के दौरान औसत वार्षिक परिव्यय की तुलना में 1331% अधिक है। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए, इन परियोजनाओं हेतु अभी तक का सर्वाधिक 12,110 करोड़ रु. का बजट परिव्यय मुहैया कराया गया है, जो 2009-14 के दौरान औसत वार्षिक परिव्यय की तुलना में 1816% अधिक है (632 करोड़ रु. प्रति वर्ष)।

2014-22 के दौरान मध्य प्रदेश में पूर्णतया/आंशिक रूप से पड़ने वाले 1515 कि.मी. खंड (293 कि.मी. नई लाइन, 631 कि.मी. आमान परिवर्तन और 591 कि.मी. दोहरीकरण) को 189.38 कि.मी. प्रति वर्ष की औसत दर पर पूरा किया गया है जो 2009-14 के दौरान औसत वार्षिक पूरा होने से 553% अधिक है (29 कि.मी. प्रति वर्ष)।

(ख): मालवा-निमार क्षेत्र में कार्यान्वित परियोजनाओं की सूची परिशिष्ट के रूप में संलग्न है।

(ग): इंदौर स्टेशन पर वर्तमान में 52 जोड़ी रेलगाड़ी सेवाएं उपलब्ध हैं जो जोधपुर, भोपाल, नई दिल्ली, कटरा, गांधीनगर, वाराणसी, बेंगलुरु, पटना, गुवाहाटी, चेन्नई और मुंबई आदि जैसे प्रमुख शहरों तक कनेक्टिविटी प्रदान कर रही हैं।

इसके अलावा, भारतीय रेल यात्रियों की यात्रा संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए सेवाएं प्रदान करने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसके लिए, भारतीय रेल ने इंदौर के यात्रियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए 13 जोड़ी नई गाड़ी सेवाएं शुरू की हैं और 14 जोड़ी गाड़ी सेवाओं का विस्तार किया है तथा 06 जोड़ी गाड़ी सेवाओं के फेरे बढ़ाए गए हैं।

इसके अतिरिक्त, नई रेलगाड़ी सेवाएं शुरू करना एक सतत प्रक्रिया है, जो परिचालनिक व्यवहार्यता, संसाधनों की उपलब्धता, यातायात औचित्य, प्रतिस्पर्धी मांगों आदि पर निर्भर करता है।

(घ): 01.04.2022 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेलों में 3,99,625 करोड़ रुपए की लागत वाली कुल 20,937 कि.मी. लंबाई की 183 नई लाइन परियोजनाएं योजना/अनुमोदन/निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से 2,831 कि.मी. लंबाई को पूरा कर दिया गया है और मार्च, 2022 तक 1,13,189 करोड़ रुपए का व्यय किया जा चुका है। इन नई लाइन परियोजनाओं से उन क्षेत्रों से कनेक्टिविटी में सुधार होता है जो रेल नेटवर्क से जुड़े हुए नहीं हैं, इनमें जनजातीय बहुल क्षेत्र शामिल हैं।

******

मध्य प्रदेश में रेल परियोजनाओं के संबंध में दिनांक 03.08.2022 को लोक सभा में श्री गजेन्द्र उमराव सिंह पटेल के तारांकित प्रश्न सं. 241 के भाग (ख) के उत्तर से संबंधित परिशिष्ट।

(ख): मालवा-निमार क्षेत्र में निर्माणाधीन रेल परियोजनाएं:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	पिंक बुक में शामिल करने का वर्ष	परियोजना की लंबाई (कि.मी.)	कुल लागत (करोड़ रु.)	मार्च 2022 तक व्यय (करोड़ रु.)	बजट परिव्यय 2022-23 (करोड़ रु.)	परियोजना की स्थिति
(क)	<u>नई लाइन</u>:						
1	दाहोद-इंदौर वाया सरदारपुर, झाबुआ और धार	2007-08	205	1873	890	265	➢ इंदौर-राउ-तिही खंड (21 कि.मी.) को पूरा कर दिया गया है। ➢ भूमि अधिग्रहण और वानिकी भूमि का डायवर्जन शुरू कर दिया गया है। उपलब्ध भूमि में कार्य शुरू कर दिया गया है।
2	छोटा उदयपुर - धार	2007-08	157	1525	1023	100	➢ छोटा उदयपुर-अलीराजपुर (48 किमी) और अलीराजपुर-खंडाला (9.8 किमी) को पूरा कर दिया गया है। ➢ भूमि अधिग्रहण और वानिकी स्वीकृतियां प्राप्त करने संबंधी कार्य शुरू कर दिया गया है। ➢ शेष उपलब्ध भूमि में कार्य शुरू कर दिया गया है।
3	इंदौर-बुदनी (इंदौर-जबलपुर)	2016-17	205	7474	86	0.0001	➢ भूमि अधिग्रहण शुरू कर दिया गया है।
4.	इंदौर-मनमाड वाया मालेगांव	2016-17	358	8858	0.06	0.0001	कार्य को अपेक्षित अनुमोदनों के अध्यधीन बजट में शामिल किया गया है।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	पिंक बुक में शामिल करने का वर्ष	परियोजना की लंबाई (कि.मी.)	कुल लागत (करोड़ रु.)	मार्च 2022 तक व्यय (करोड़ रु.)	बजट परिव्यय 2022-23 (करोड़ रु.)	परियोजना की स्थिति
5	नीमच-बड़ी सदड़ी नई लाइन	2017-18	48	495	0.02	50	भूमि अधिग्रहण शुरू कर दिया गया है।
6	रामगंजमंडी-भोपाल नई लाइन	2000-01	276.5	2909	1444	500	रामगंजमंडी-झालावाड़-जुनाखेड़ा (47 किमी.) खंड पूरा कर दिया गया है। भूमि अधिग्रहण शुरू कर दिया गया है। उपलब्ध भूमि में कार्य शुरू कर दिया गया है।
(ख)	<u>आमान परिवर्तन</u>						
1	रतलाम-मऊ-खंडवा-अकोला और फतेहाबाद-चंद्रावती गंज-उज्जैन का सामग्रीपरक आशोधन	2008-09	496	6212	2404	888	➢ धोसावास-रतलाम-इंदौर-राउ-मऊ और निमखेड़ी-मथेला (210 किमी), उज्जैन-फतेहाबाद (23 किमी), निम्बाखेड़ी यार्ड (2 किमी) और अकोला-अकोट (435 किमी) को पूरा कर दिया गया है। ➢ शेष उपलब्ध भूमि में कार्य शुरू कर दिया गया है।
(ग)	<u>दोहरीकरण</u>						
1	नीमच-चित्तौड़गढ़	2015-16	56	499.46	448	100	➢ 44 कि.मी. खंड पूरा कर दिया गया है। ➢ शेष खंड में कार्य शुरू कर दिया गया है।
2	इंदौर-देवास-उज्जैन	2016-17	79	603.69	423	200	➢ उज्जैन सी-करचा (15.32 कि.मी.) पूरा कर दिया गया है। ➢ कार्य शुरू किया गया ।
3	नीमच-रतलाम	2018-19	133	1095.88	0.25	50	➢ परियोजना को सितंबर 2021 में मंजूरी दी गई। प्रारंभिक कार्यकलाप शुरू कर दिए गए हैं।

****